पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

संगीत भारत में पीढ़ी दर पीढ़ी विरासत में मिला है - राज्यपाल

लखनऊ: 02 मई, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में सरस्वती म्यूजिकल एकेडमी, लखनऊ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा कि देश की पुरातन संस्कृति में संगीत का अनुपम स्थान है। संगीत भारत में आनन्द, उल्लास से लेकर ईश्वर की साधना से मृत्यु के बाद तक की प्रार्थना सभाओं में प्रयोग किया जाता है। संगीत भारत में पीढ़ी दर पीढ़ी विरासत में मिला है।

श्री नाईक ने कहा कि लखनऊ और मुंबई ने संगीत और कला के माध्यम से एक दूसरे की संस्कृति को आगे बढ़ाने का काम किया है। लखनऊ अगर कला का केन्द्र है तो मुंबई संगीत एवं कला का प्रसंस्करण केन्द्र है। भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रति लोगों में रूचि बढ़ी है। अनेक प्रकार का नृत्य, गायन और संगीत भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में प्रचलित है। युवाओं में संगीत सीखने की बहुत रूचि है। नवोदित कलाकारों का स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में गुरू-शिष्य परम्परा भारतीय संगीत की देन है।

सरस्वती म्यूजिकल एकेडमी के प्रबंध निदेशक, श्री श्रीकांत शुक्ल ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में राज्यपाल को प्रतीक चिन्ह व अंगवस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने एकेडमी की त्रैमासिक पत्रिका 'स्वारांजलि' का विमोचन किया। सरस्वती म्यूजिकल एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने 'देव वंदना', 'बेटी बचाओं' थीम पर नृत्य के साथ-साथ अन्य प्रस्तुति भी दी।

सरस्वती म्यूज़िकल अकादमी, लखनऊ
शाखायें
द्वारा आयोजित
संगीतांजलि
मा0 श्री राम नाईक जी
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
ऋषिकान्त शुक्ल

सरस्वती म्यूज़िकल अकादमी, लखनऊ
शाखायें
द्वारा आयोजित
"सांस्कृतिक संध्या"

सरस्वती म्यूज़िकल अकादमी, लखनऊ
"सांस्कृतिक संध्या"
दिन शनिवार 02 मई 2015
मुख्य अतिथि-

सरस्वती म्यूज़िकल अकादमी,
We
Save the
Children
Will you?
SAVE GIRL CHILD
Think A World Without Us...
मुख्य अतिथि-
राज्यपाल,